Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 25-08-2005

Participants : Darbar Shri Chhatarsingh

Title : Need to look into the reported cases of people losing eyesight due to unskilled surgeons.

श्री छत्तर सिंह दरबार (धार) : सभापति महोदय, मेरे डिवीजन नम्बर 437 के आगे पोल आ जाता है।

सभापति महोदय : आप आगे आकर bÉÉäÉÊãÉA[R88]।

श्री छत्तर सिंह दरबार : सभापति महोदय, साप्ताहिक आउटलुक 15 अगस्त, 2005 के अंक के पृठ संख्या 50 पर एक बहुत बड़े नेत्र विशेाज्ञ का लेख छपा है जिसे पढ़कर मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ। 'एम्स' के नेत्र विभाग प्रभाग, आर,पी. सेंटर में रेटिना के जाने माने सर्जन डॉ. राजवर्धन आजाद जिन्हें माननीय राट्रपति महोदय ने सिल्वर जुबली रिसर्च अवार्ड से सम्मानित किया है, उन्होंने आउटलुक साप्ताहिक से सनसनीखेज बात की है।

देश में बेहद उपयोगी आंखों के इलाज के लिए लेजर तकनीकी का उपयोग अधकचरे रेटिना विशेाज्ञों द्वारा होने से यह तकनीकी दृटिलेवा साबित हो रही है। डॉक्टर ने अपने लेख में उसका हैडिंग दिया है कि 'अधकचरे सर्जनों के कारण हो रहे लोग अंधे'। इस कारण यह तकनीकी दृटिलेवा साबित हो रही है। यह गंभीर चिंता की बात है। देश की राजधानी दिल्ली में भी लेजर के गलत उपयोग से अंधे होने की घटनाएं सामने आई हैं।

मैं मध्य प्रदेश के जिस संसदीय क्षेत्र से चुनकर आता हूं, उस क्षेत्र में इस प्रकार की कई घटनाएं हुईं। आई कैम्पों में सर्जन लेजर किरणों या किसी और चीज से आपरेशन करते हैं। कई ऐसे प्रकरण आये हैं जिनमें आपरेशन के बाद लोगों में अंधत्व आ गया। मैं धार जिले के लुन्हेरा गांव का रहने वाला हूं। वहां भी मोतियाबिंद के आपरेशन में करीब चार-पांच आदिवासी और हरिजन लोग अंधे हो गये।

सभापति महोदय, देश में आंख के मरीजों की काफी संख्या होने के कारण इलाज के हमारे अनुभवों के सामने पश्चिमी देश भी कहीं नहीं ठहरते तथा अत्याधुनिक मशीनों के मामले में भी हम उनके समकक्ष हैं। इसके बावजूद कम प्रशिक्षित तथा अधकचरे ज्ञान वाले नेत्र सर्जनों की लापरवाही के चलते सैंकड़ों लोग अंधत्व का शिकार हो रहे हैं।

सभापति महोदय, कम उम्र के बच्चों में नेत्र दोा पैदा होने में टेलीविजन, कम्प्यूटर गेम तथा इंटरनेट चैटिंग आदि कारण उत्तरदायी हैं। उनको इसके प्रति विभिन्न सूचना माध्यमों से जागृत करने की आवश्यकता है। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप समाप्त करिये।

श्री छत्तर सिंह दरबार : मैं एक मिनट में खत्म करता हूं। मुझे काफी समय बाद बोलने का मौका मिला है। अंत में, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि देश में अंधत्व निवारण तरीकों को और बेहतर बनाया जाये तथा इलाज हेतु अप्रशिक्षित तथा अधकचरे सर्जनों द्वारा अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों के प्रयोग पर तुरंत रोक लगाई जाये और ऐसे लोगों के प्रति आवश्यक कार्रवाई की जाये।

यह बहुत बड़ी बात है कि ऐसे सर्जन जो आपरेशन करते हैं और उससे लोगों की आंख चली जाये, तो यह बहुत गंभीर बात है क्योंकि शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग आंख है। यदि आदमी के जीवन में अंधकार हो जाये, तो चाहे जितना बड़ा व्यक्ति हो, वह सांसद हो या कोई और

हो, उसके जीवन में कुछ नहीं रहेगा। यहां पर स्वास्थ्य मंत्री जी बैठे हुए हैं। मेरा अनुरोध है कि वे इस विाय को गंभीरता से लें। जब एम्स जैसे बड़े अस्पताल में ऐसा होता है तो छोटे अस्पताल में क्या होता होगा ? वहां कितने लोगों को इस कारण अंधत्व हुआ होगा।

मेरा आपके माध्यम से सरकार और मंत्री महोदय से निवेदन है कि वे इस विाय पर गंभीरता पूर्वक जांच करायें और ऐसे जितने अधकचरे डाक्टर हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई करें। एम्स के नेत्र विशेाज्ञ के सबसे बड़े डाक्टर ने आउटलुक के सामने स्वीकार किया है कि ऐसे अधकचरे डाक्टरों के द्वारा कई लोगों को अंधत्व हो गया। मेरे निवेदन है कि इस पर विशेा ध्यान देकर इसे रोका जाये। धन्यवाद।

सभापति महोदय : श्री बसुदेव आचार्य - अनुपस्थित

श्री भुवनेश्वर प्रसाद मेहता - अनुपस्थित

श्री हन्नान मोल्लाह - अनुपस्थित